International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925, Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 02(I), April- June, 2025, pp. 84-90

जयपुर जिले मे परिवहन व्यवस्था एवं आर्थिक विकास

विकास मीणा[1*] | धर्मेन्द्र सिंह चौहान[2]

[1]शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
[2]प्रोफेसर एव पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

*Corresponding Author: viksmeen92@gmail.com

सार

जयपुर जिले मे परिवहन व्यवस्था के सतत विकास ने आर्थिक प्रगति को नई दिशा दी है सड़क, रेल और हवाई परिवहन की बेहतर सुविधाओ ने न केवल शहरी क्षेत्रो बल्कि ग्रामीण इलाको को भी मुख्यधारा से जोड़ा है इसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादो का बाजार तक पहुचना आसान हुआ है, पर्यटन को बढ़ावा मिला है, और औद्योगिक क्षेत्रो मे उत्पादन एव व्यापार मे वृद्धि हुई है साथ ही, परिवहन के विकास से स्थानीय लोगो को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए है और ग्रामीण विकास को बल मिला है स्मार्ट सिटी परियोजनाए और अधुनातन परिवहन योजनाए जयपुर को एक विकसित और सगठित शहर बनाने की दिशा मे अग्रसर कर रही है जयपुर जिले मे परिवहन व्यवस्था का निरतर विकास आर्थिक उन्नति का मुख्य आधार बना है जिले मे सड़को, रेलवे और हवाई सेवाओ का विस्तार होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रो के बीच सपर्क बेहतर हुआ है इससे कृषि, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रो मे तेज़ी से वृद्धि हुई है किसान अब अपने उत्पाद आसानी से बाजार तक पहुँचा पा रहे है, उद्योगो को कच्चा माल और बाजार मिल रहा है, और पर्यटको की बढ़ती सख्या से स्थानीय व्यवसाय को लाभ हो रहा है साथ ही, बेहतर परिवहन से रोजगार के अवसर बढ़े है और ग्रामीण इलाको मे विकास को प्रोत्साहन मिला है स्मार्ट परियोजनाओ और मेट्रो विस्तार जैसी योजनाएँ जिले को एक आधुनिक और आर्थिक रूप से समृद्ध क्षेत्र बनाने मे सहायक सिद्ध हो रही है।

शब्दकोशः *अर्थव्यवस्था, पर्यटन, रत्न–कटाई, आभूषण, लक्ज़री वस्त्र, सूचना प्रौद्योगिकी।*

प्रस्तावना

जयपुर जिला राजस्थान राज्य का एक महत्वपूर्ण और विकसित जिला है, जो न केवल अपनी ऐतिहासिक एव सास्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि आर्थिक और भौतिक आधारभूत सरचना के क्षेत्र मे भी अग्रणी स्थान रखता है इस जिले की राजधानी जयपुर को श्गुलाबी नगरीश के नाम से जाना जाता है, जो राज्य की प्रशासनिक, वाणिज्यिक, औद्योगिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यत महत्वपूर्ण है

जयपुर जिले मे परिवहन प्रणाली का निरतर विकास हुआ है, जिससे यह जिला सड़क, रेल और वायु मार्ग द्वारा राज्य और देश के प्रमुख भागो से जुड़ा हुआ है सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था ने जिले के आर्थिक विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है इससे व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन और सेवा क्षेत्रो मे वृद्धि हुई है और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए है

परिवहन और आर्थिक विकास एक–दूसरे के पूरक है जहा एक ओर परिवहन सुविधाएँ आर्थिक गतिविधियो को गति देती है, वही दूसरी ओर आर्थिक प्रगति परिवहन प्रणाली की माँग और विस्तार को प्रेरित करती है इसी सतुलन ने जयपुर जिले को राजस्थान के सर्वाधिक प्रगतिशील जिलो मे शामिल कर दिया है

जयपुर जिला, राजस्थान राज्य का एक प्रमुख जिला है, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सास्कृतिक विविधता और शिल्पकला के साथ–साथ आर्थिक एव भौतिक विकास के लिए भी प्रसिद्ध है इस जिले की राजधानी जयपुर, श्गुलाबी नगरश के नाम से जानी जाती है, जो न केवल पर्यटन की दृष्टि से बल्कि औद्योगिक, व्यापारिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी अत्यत महत्वपूर्ण है

परिवहन किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होता है, और जयपुर जिले मे इसका सशक्त उदाहरण देखने को मिलता है जिले मे सड़क, रेल और वायु परिवहन की समृद्ध व्यवस्था है, जिसने लोगो की आवाजाही, माल के आदान–प्रदान और सेवाओ की पहुँच को सुलभ बनाया है राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस सेवाए, जयपुर मेट्रो, रेलवे जक्शन और अतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जिले को राष्ट्रीय और अतरराष्ट्रीय स्तर पर जोड़ते है

परिवहन सुविधाओ के विकास के साथ ही जिले की अर्थव्यवस्था ने भी तेज़ी से प्रगति की है पर्यटन, हस्तशिल्प, रत्न एव आभूषण उद्योग, कृषि और डेयरी व्यवसाय जैसे क्षेत्रो ने जिले की आय और रोजगार मे वृद्धि की है औद्योगिक क्षेत्रो की स्थापना और ग्रामीण क्षेत्रो तक सड़क सपर्क ने समावेशी विकास को बल दिया है

इस प्रकार, जयपुर जिले का परिवहन और आर्थिक विकास एक–दूसरे के पूरक बनकर उभरे है, जिससे यह जिला न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश के लिए विकास का एक आदर्श उदाहरण बन गया है

साहित्य समीक्षा

जयपुर विकास प्राधिकरण मास्टर प्लान

इस {2012} मास्टर प्लान का मकसद शहर के शहरी विकास, अवसरचना सुधार, परिवहन नेटवर्क का विस्तार, और पर्यावरण को बेहतर बनाना है इस मास्टर प्लान मे द्वितीयक डेटा का इस्तेमाल करके प्रस्तावित परियोजनाओ का विश्लेषण किया गया है इस मास्टर प्लान के तहत सड़क और पुलो का निर्माण, और स्मार्ट परिवहन प्रणालियो का विकास शामिल है.

राजस्थान आर्थिक समीक्षा

इस {2014} रिपोर्ट मे राजस्थान की अर्थव्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण किया गया है.इस रिपोर्ट के मुताबिक, साल मे राजस्थान की अर्थव्यवस्था 12.02 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है इस रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024–25 मे राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय 11.04 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है. इस रिपोर्ट मे कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र, और बाह्य क्षेत्र के प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया है. इस रिपोर्ट मे राजस्थान की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रो मे योगदान का भी विश्लेषण किया गया है.

परिवहन विकास से सबधित साहित्य

राजस्थान {2016} राज्य पथ परिवहन निगम की वार्षिक रिपोर्टो से स्पष्ट होता है कि जयपुर जिले मे बस सेवाओ का नेटवर्क निरतर बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रो के बीच सपर्क सुलभ हुआ है

भारतीय परिवहन नीति एव सरचना जैसे शोधग्रथो मे उल्लेख किया गया है कि परिवहन ढाँचे का सीधा प्रभाव किसी क्षेत्र की आर्थिक गतिशीलता पर पड़ता है जयपुर मे मेट्रो सेवा, अतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और रेलवे कनेक्टिविटी इस प्रभाव का प्रमाण है

Indin Journl of Trnsport Mngement मे प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जयपुर जिले मे ट्रासपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर ने स्थानीय व्यापार और पर्यटन मे 30ः तक वृद्धि की है

आर्थिक विकास से सबधित साहित्य

राजस्थान {2017} आर्थिक समीक्षा (Rjsthn Economic Review) प्रतिवर्ष राज्य के जिलो की आर्थिक प्रगति का विवरण प्रस्तुत करती है इसके अनुसार, जयपुर जिला राज्य के उच्चतम जीडीपी योगदानकर्ताओ मे शामिल है

UNDP और नीति आयोग द्वारा किए गए ग्रामीण विकास पर शोध मे दर्शाया गया है कि परिवहन सुविधा ने जयपुर के ग्रामीण क्षेत्रो मे शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि विपणन को गति दी है

World Bank रिपोर्ट (2017) के अनुसार, जयपुर जैसे टियर–2 शहरो मे ट्रासपोर्ट विकास ने MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमो) को नई ऊँचाई दी है

सयुक्त प्रभावो पर अध्ययन

कई {2019}अतरराष्ट्रीय शोधपत्रो मे यह पाया गया है कि जब किसी जिले मे भौतिक अवसरचना (जैसे सड़क, रेल, परिवहन) और आर्थिक ससाधन दोनो समान गति से विकसित होते है, तो सामाजिक विकास, रोजगार और जीवन–स्तर मे स्वतः सुधार होता है

जयपुर मे ट्रासपोर्ट प्लानिग एड इकोनॉमिक जर्नल मे प्रकाशित अध्ययन बताते है कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत किए गए सुधारो ने आर्थिक गतिविधियो को डिजिटल और भौतिक रूप से बेहतर बनाया है

सयुक्त अध्ययन व विश्लेषण

- **sin Development Bnk (DB) – Urbn Infrstructure Study (2019)**

रिपोर्ट दर्शाती है कि जहा परिवहन और आर्थिक नीतियाँ समन्वय मे होती है, वहाँ समावेशी विकास की सभावनाए अधिक होती है जयपुर इसका उदाहरण है

- **UNDP रिपोर्ट – ग्रामीण परिवहन और जीवनस्तर (2018)**

इस अध्ययन से पता चला कि जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रो मे सड़क सपर्क बढ़ने से कृषि उत्पाद बाजारो तक जल्दी पहुँचने लगे, जिससे किसानो की आय मे वृद्धि हुई

परिवहन अवसरचना पर अध्ययन

सड़क नेटवर्क {2020} कई शोधो मे उल्लेख है कि जयपुर मे राष्ट्रीय राजमार्ग (जैसे NH–8, NH–11) और राज्य राजमार्गो की अच्छी उपस्थिति ने व्यापार, पर्यटन और कृषि विपणन मे वृद्धि की है (स्रोतः राजस्थान सड़क विकास निगम रिपोर्ट, 2020)

रेल परिवहन जयपुर रेलवे स्टेशन एक महत्त्वपूर्ण जक्शन है जो दिल्ली, मुबई, अहमदाबाद, जोधपुर जैसे बड़े शहरो से जुड़ा है इसने श्रमिको, पर्यटको और वस्तुओ के आवागमन को तेज किया है (स्रोतः भारतीय रेल साख्यिकी, 2019)

हवाई सेवाएँ जयपुर अतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घरेलू व अतरराष्ट्रीय सपर्क का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बना है, जिससे वैश्विक निवेश और पर्यटन मे तेजी आई है (स्रोतः I nnul Report, 2021)

आर्थिक विकास के सकेतक

औद्योगीकरण {2021} जयपुर के सीतापुरा, विट्ठलपुरा, बगरू जैसे औद्योगिक क्षेत्रो मे वृद्धि का एक बड़ा कारण बेहतर परिवहन सुविधा है परिवहन ने कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार माल के वितरण को सुविधाजनक बनाया है

पर्यटन उद्योग जयपुर की ऐतिहासिक धरोहरो (जैसे हवा महल, आमेर किला, सिटी पैलेस) मे पर्यटको की बढ़ती सख्या मे परिवहन की सुगमता का योगदान स्पष्ट है

ग्रामीण बाजारो की कनेक्टिविटी सड़क परिवहन ने जयपुर के ग्रामीण हिस्सो को शहरी बाजारो से जोड़ा है, जिससे कृषि उत्पादो का बेहतर मूल्य मिलना शुरू हुआ है

शहरीकरण और जनसख्या पर प्रभाव

बढ़ते {2018} शहरीकरण के कारण आवासीय क्षेत्रो का विस्तार, नई कॉलोनियो की स्थापना और भवन निर्माण गतिविधियो मे तेजी देखी गई है, जो परिवहन की बेहतर स्थिति का प्रत्यक्ष परिणाम है सड़क, रेल, और

हवाई परिवहन किसी भी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास के मूल स्तभ माने जाते है जयपुर जिला, जो राजस्थान की राजधानी का हिस्सा है, पिछले कुछ दशको मे परिवहन क्षेत्र मे उल्लेखनीय प्रगति के कारण एक प्रमुख आर्थिक केद्र बनकर उभरा है इस साहित्य समीक्षा का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि किस प्रकार परिवहन सुविधाओ ने जयपुर जिले के आर्थिक विकास को प्रभावित किया है

शोध की विधियाँ

इस विधि से यह अध्ययन किया जा सकता है कि जयपुर जिले मे परिवहन का विकास किस प्रकार हुआ पुराने दस्तावेज, रिपोर्ट, सरकारी रिकॉर्ड, नक्शे आदि का अध्ययन किया जाता है इसमे आकड़ो का गहराई से विश्लेषण किया जाता है जयपुर जिला राजस्थान का एक प्रमुख क्षेत्र है, जो न केवल अपनी सास्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसका परिवहन तत्र और आर्थिक विकास भी अध्ययन के महत्वपूर्ण क्षेत्र है यह शोध इस बात का विश्लेषण करता है कि कैसे परिवहन ढाचा जयपुर जिले मे आर्थिक गतिविधियो को प्रभावित करता है

प्राथमिक शोध

- **सर्वेक्षण**

  जयपुर जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रो मे निवासियो, परिवहन चालको, दुकानदारो और किसानो से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी एकत्र की गई

- **साक्षात्कार**

  जिला परिवहन अधिकारियो, स्थानीय व्यापारियो और पचायत सदस्यो के साथ सरचित साक्षात्कार

- **मैदान निरीक्षण**

  प्रमुख सड़क मार्गो, बस स्टैड, और ग्रामीण सपर्क सड़को का भौतिक निरीक्षण

द्वितीयक शोध

- **सरकारी रिपोर्टे**

  NITI yog, ग्रामीण विकास मत्रालय, और राजस्थान सरकार की आर्थिक समीक्षा

- **आकड़ो का विश्लेषण**

  जनगणना 2011, जिला आर्थिक एव साख्यिकी विभाग से प्राप्त परिवहन और अर्थव्यवस्था से सबधित आकड़े

- **पूर्ववर्ती शोध पत्र**

  सबधित थीसिस और अकादमिक जर्नल्स से जानकारी

डेटा विश्लेषण विधियाँ

आकड़ो का तुलनात्मक विश्लेषण ग्रामीण बनाम शहरी क्षेत्रो मे परिवहन सुविधाओ और आर्थिक प्रगति की तुलना

- **SWOT विश्लेषण**

  परिवहन ढाचे की मजबूती, कमज़ोरियाँ, अवसर और खतरे का विश्लेषण

- **GIS Mpping (यदि लागू हो)**

  सड़क नेटवर्क और आर्थिक गतिविधियो का भौगोलिक मानचित्रण

डेटा विश्लेषण तालिका

क्र.स.	विषय	सख्यात्मक डेटा	वर्ष	स्रोत
1	कुल सड़क नेटवर्क	10,215 किमी	2021	PWD, राजस्थान

2	शहरी बसे	1,200 बसे	2022	शहरी बसे
3	जयपुर मेट्रो नेटवर्क	9.7 किमी	2022	JMRC
4	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (MSMESs)	35,417 इकाइयाँ	2022	MSMES वार्षिक रिपोर्ट
5	पर्यटक आगमन	45 लाख पर्यटक प्रति वर्ष	2022	राजस्थान पर्यटन विभाग
6	सड़क से जुड़े गाँव (PMGSY)	1,850 गाँव	2023	प्रधानमत्री ग्राम सड़क योजना
7	पजीकृत वाहन सख्या	2020: 11 लाख ⟶ 2024: 17 लाख	2020–2024	RTO जयपुर
8	बेरोजगारी दर	2016: 7.5: ⟶ 2022: 4.3:	2016–2022	CMIE

विश्लेषण

- सड़क नेटवर्क का विस्तार और ग्रामीण सड़क योजनाओ (PMGSY) के अतर्गत 1,850 गाँवो का जुड़ना, जिले मे ग्रामीण–शहरी सपर्क को मजबूत करता है
- शहरी परिवहन (जैसे JCTSL और मेट्रो) की उपलब्धता ने ट्रैफिक दबाव को कम किया और कार्यस्थलो की पहुँच आसान की
- वाहनो की सख्या मे वृद्धि ने आर्थिक क्षमता का सकेत दिया, लेकिन इसके साथ–साथ ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्याएँ भी बढ़ी है
- पर्यटन और एमएसएमई इकाइयो की वृद्धि ने स्थानीय रोजगार और व्यापार मे गति दी
- बेरोजगारी दर मे गिरावट परिवहन एव आर्थिक विकास के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है

शोध उद्देश्य

- जयपुर जिले मे परिवहन की वर्तमान स्थिति का मूल्याकन करना
- परिवहन और आर्थिक विकास के मध्य सबध को समझना
- ग्रामीण क्षेत्रो मे परिवहन सुधार के माध्यम से आर्थिक अवसरो मे हुई वृद्धि का विश्लेषण करना
- नीति–निर्माण के लिए सुझाव प्रस्तुत करना

परिणाम

जयपुर जिले मे परिवहन व्यवस्था के विकास ने समग्र आर्थिक विकास को गति दी है विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रो मे सड़क सपर्क बढ़ने से जीवन गुणवत्ता मे सुधार हुआ है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिला है

- **परिवहन व्यवस्था मे सुधार**
  - ग्रामीण और शहरी क्षेत्रो को जोड़ने वाली सड़को की स्थिति मे उल्लेखनीय सुधार हुआ है
  - राष्ट्रीय एव राज्य राजमार्गो के विस्तार ने जिले की बाहरी और आतरिक कनेक्टिविटी को सुदृढ़ किया है
- **आर्थिक गतिविधियो मे तेज़ी**
  - सड़क सपर्क बेहतर होने से कृषि, व्यापार और पर्यटन क्षेत्र मे वृद्धि हुई है
  - व्यापारिक केद्रो तक उत्पाद पहुँचने मे समय और लागत मे कमी आई है, जिससे लाभप्रदता बढ़ी है
- **ग्रामीण विकास को प्रोत्साहन**
  - गाँवो से कस्बो और शहरो तक परिवहन सुगम होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर बढ़े है

- महिला सशक्तिकरण मे वृद्धि देखी गई है, क्योकि अब महिलाए आसानी से शिक्षण सस्थानो और कार्यस्थलो तक पहुँच पा रही है

- **आर्थिक असमानता मे कमी**
  - जिन क्षेत्रो मे सड़के बेहतर हुई, वहाँ लोगो की आमदनी, रोजगार और जीवन स्तर मे सुधार देखा गया
  - क्षेत्रीय असमानताओ को कम करने मे परिवहन विकास ने अहम भूमिका निभाई है
- **सकारात्मक साख्यिकीय सकेतक**
  - सड़क निर्माण के बाद सबधित क्षेत्रो मे व्यापारिक प्रतिष्ठानो की सख्या मे वृद्धि हुई है
  - ग्रामीण–शहरी जनसख्या का आवागमन बढ़ा है, जिससे ससाधनो का बेहतर उपयोग सभव हुआ है

<u>चुनौतियाँ एव समस्याए</u>

- अपर्याप्त ग्रामीण सड़क नेटवर्क
- कई दूरस्थ गाव अब भी मुख्य सड़को से नही जुड़े है
- बारिश के मौसम मे कच्ची सड़को पर आवागमन अत्यत कठिन हो जाता है

चर्चा

जयपुर जिला न केवल राजस्थान का राजधानी क्षेत्र है, बल्कि यह एक उभरता हुआ औद्योगिक, कृषि और पर्यटन केद्र भी है यहाँ के आर्थिक विकास मे परिवहन प्रणाली की भूमिका निर्णायक रही है इस चर्चा मे हम परिवहन विकास और आर्थिक उन्नति के आपसी सबध, इसके प्रभाव और क्षेत्रीय असमानताओ पर विचार करेगे

- परिवहन को अर्थव्यवस्था की श्रीढ़श माना जाता है जयपुर जिले मे सड़को के माध्यम से व्यापार, कृषि विपणन, और सेवाओ तक पहुँच मे सुधार हुआ है
- सड़क सपर्क ने न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी जोड़ने मे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है
- परिवहन के माध्यम से कच्चे माल की आवाजाही, उत्पादो की डिलीवरी, और श्रमिको की गतिशीलता सभव हो पाई है
- ग्रामीण सड़को के विकास ने गावो को शहरी बाजारो से जोड़ा है
- किसानो को कृषि उपज मडियो तक पहुँचने मे सुविधा मिली है, जिससे बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके है
- शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओ तक पहुँच भी सरल हुई है, जिससे सामाजिक विकास को बल मिला है

निष्कर्ष

जयपुर जिले मे परिवहन और आर्थिक विकास की दिशा मे प्रगति तो हो रही है, लेकिन बुनियादी सरचना, ससाधनो, नियोजन, और पारदर्शिता की कमी जैसी चुनौतियाँ इस विकास को बाधित कर रही है इन समस्याओ को दूर किए बिना सतत और समावेशी विकास सभव नही है जयपुर जिले मे परिवहन विकास ने समग्र आर्थिक विकास की दिशा मे सशक्त कदम बढ़ाए है हालाँकि, सतत और समावेशी आर्थिक प्रगति के लिए सभी क्षेत्रो मे समान रूप से परिवहन बुनियादी ढाचे को मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है

जिला स्तर पर परिवहन के विकास मे क्षेत्रीय असमानता, सार्वजनिक परिवहन की सीमित पहुँच, और अधूरी परियोजनाएँ अब भी बाधक है बेहतर सड़क और हवाई कनेक्टिविटी ने जयपुर के पर्यटन उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली

जयपुर जिले मे परिवहन ढाचे के सुधार ने आर्थिक गतिविधियो को गति दी है, विशेषतः व्यापार, कृषि, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रो मे सड़क सपर्क बेहतर होने से ग्रामीण क्षेत्रो मे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि विपणन

के अवसरो मे उल्लेखनीय वृद्धि हुई है परिवहन सेवाओ की पहुँच से महिलाओ, छात्रो और मजदूरो को नई सामाजिक और आर्थिक सभावनाएँ मिली है

सदर्भ ग्रन्थ सूची

1. वित्त मत्री ससद मे बजट प्रस्तुत करते हुए उसके साथ अन्य प्रलेख भी प्रस्तुत करते है जिनमे वृहद आर्थिक रूपरेखा विवरण भी सम्मिलित रहता है यह पूर्वोक्त प्रलेख निम्न आदेशन के कारण प्रस्तुत किया जाता हैः (2020)
2. पूजी बजट और राजस्व बजट के मध्य अतर स्पष्ट कीजिये इन दोनो बजटो के सघटको को समझाइये (2021)
3. औद्योगिक विकास दर सुधार के बाद की अवधि मे सकल–घरेलू–उत्पाद (जीडीपी) की समग्र वृद्धि मे पिछड़ गई है कारण बताइये औद्योगिक नीति मे हाल के परिवर्तन औद्योगिक विकास दर को बढ़ाने मे कहाँ तक सक्षम है? (2017)
4. क्या आप सहमत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने हाल ही मे ट–आकार के पुनरुत्थान का अनुभव किया है? कारण सहित अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये (2021)
5. जयपुर जिला गाइड मैप राजस्थान– जयपुर जिला पर्यटन सूचना जलवायु विवरण राजस्थान डायरेक्ट मूल से 13 अगस्त 2020 को सग्रहीत 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
6. जयपुर विकास प्राधिकरण राजस्थान सरकार मूल से 5 मार्च 2016 को सग्रहीत 5 नवबर 2015 को लिया गया
7. होम मूल से 28 सितबर 2024 को सग्रहीत 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
8. सिह, अजय (15 जनवरी 2018) जयपुर अग्निशमन विभाग को तत्काल 30 दमकल गाड़ियो, 500 कर्मियो की आवश्यकता है टाइम्स ऑफ इडिया मूल से 6 नवबर 2020 को सग्रहीत 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
9. ए बी सीयहाँ जाएः जयपुर जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड का गठन भारतीय अवसरचना 4 सितबर 2018 मूल से 26 अक्टूबर 2020 को सग्रहीत 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
10. एनआईयूए अध्ययन (पीडीएफ) . मूल से 26 अक्टूबर 2020 को सग्रहीत (पीडीएफ) 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
11. एनआईयूए (पीडीएफ) scbp-niu-org - 26 अक्टूबर 2020 को मूल से सग्रहीत (पीडीएफ) 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया
12. ए बी सीयहाँ जाएः नई पहल. jipurmc-org. मूल से 26 अक्टूबर 2020 को सग्रहीत 24 अक्टूबर 2020 को लिया गया

❖◆❖